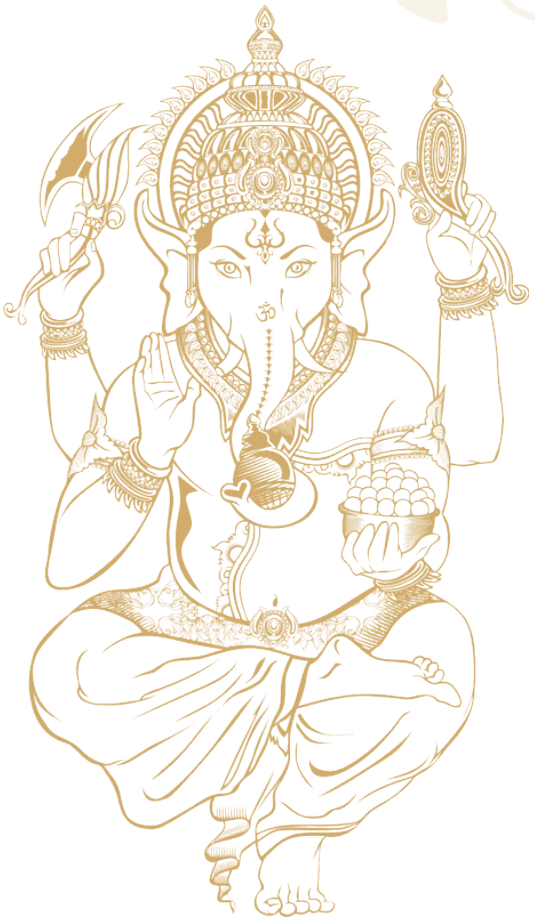

# Aaa

16 Jan 2026

03:48 PM

Hathras

Model: web-freekundliweb

Order No: 121241502

| | |
|---|---|
| लिंग | स्त्रीलिंग |
| **जन्म तिथि** | **16/01/2026** |
| दिन | शुक्रवार |
| **जन्म समय** | **15:48:00 घंटे** |
| इष्ट | 21:35:24 घटी |
| **स्थान** | **Hathras** |
| राज्य | Uttar Pradesh |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 27:36:00 उत्तर |
| रेखांश | 78:02:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:17:52 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 15:30:08 घंटे |
| वेलान्तर | -00:09:41 घंटे |
| साम्पातिक काल | 23:13:36 घंटे |
| सूर्योदय | 07:09:50 घंटे |
| सूर्यास्त | 17:45:40 घंटे |
| दिनमान | 10:35:50 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | शिशिर |
| सूर्य के अंश | 02:03:59 मकर |
| लग्न के अंश | 07:09:08 मिथुन |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | मिथुन - बुध |
| **राशि-स्वामी** | **धनु - गुरु** |
| **नक्षत्र-चरण** | **मूल - 2** |
| नक्षत्र स्वामी | केतु |
| योग | ध्रुव |
| करण | वणिज |
| गण | राक्षस |
| योनि | श्वान |
| नाड़ी | आद्य |
| वर्ण | क्षत्रिय |
| वश्य | मानव |
| वर्ग | मृग |
| युँजा | अन्त्य |
| हंसक | अग्नि |
| जन्म नामाक्षर | यो-योगिता |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | ताम्र - ताम्र |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | मकर |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | मिथु | 07:09:08 | 329:00:15 | आर्द्रा | 1 | 6 | बुध | राहु | राहु | --- |
| सूर्य | | | मक | 02:03:59 | 01:01:07 | उत्तराषाढ़ा | 2 | 21 | शनि | सूर्य | गुरु | शत्रु राशि |
| चंद्र | | | धनु | 05:01:50 | 12:05:45 | मूल | 2 | 19 | गुरु | केतु | मंगल | सम राशि |
| मंगल | | अ | मक | 00:21:58 | 00:46:34 | उत्तराषाढ़ा | 2 | 21 | शनि | सूर्य | राहु | उच्च राशि |
| बुध | | अ | धनु | 28:43:57 | 01:37:57 | उत्तराषाढ़ा | 1 | 21 | गुरु | सूर्य | मंगल | सम राशि |
| गुरु | व | | मिथु | 25:04:13 | 00:07:59 | पुनर्वसु | 2 | 7 | बुध | गुरु | बुध | शत्रु राशि |
| शुक्र | | अ | मक | 04:23:35 | 01:15:27 | उत्तराषाढ़ा | 3 | 21 | शनि | सूर्य | शनि | मित्र राशि |
| शनि | | | मीन | 03:01:09 | 00:04:49 | पू०भाद्रपद | 4 | 25 | गुरु | गुरु | राहु | सम राशि |
| राहु | व | | कुंभ | 15:35:44 | 00:08:46 | शतभिषा | 3 | 24 | शनि | राहु | शुक्र | मित्र राशि |
| केतु | व | | सिंह | 15:35:44 | 00:08:46 | पू०फाल्गुनी | 1 | 11 | सूर्य | शुक्र | सूर्य | शत्रु राशि |
| हर्ष | व | | वृष | 03:23:17 | 00:00:58 | कृतिका | 3 | 3 | शुक्र | सूर्य | शनि | --- |
| नेप | | | मीन | 05:32:23 | 00:01:14 | उ०भाद्रपद | 1 | 26 | गुरु | शनि | बुध | --- |
| प्लूटो | | | मक | 08:58:35 | 00:01:55 | उत्तराषाढ़ा | 4 | 21 | शनि | सूर्य | शुक्र | --- |
| दशम भाव | | | कुंभ | 23:10:11 | -- | पू०भाद्रपद | -- | 25 | शनि | गुरु | शनि | -- |

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:22

## लग्न-चलित

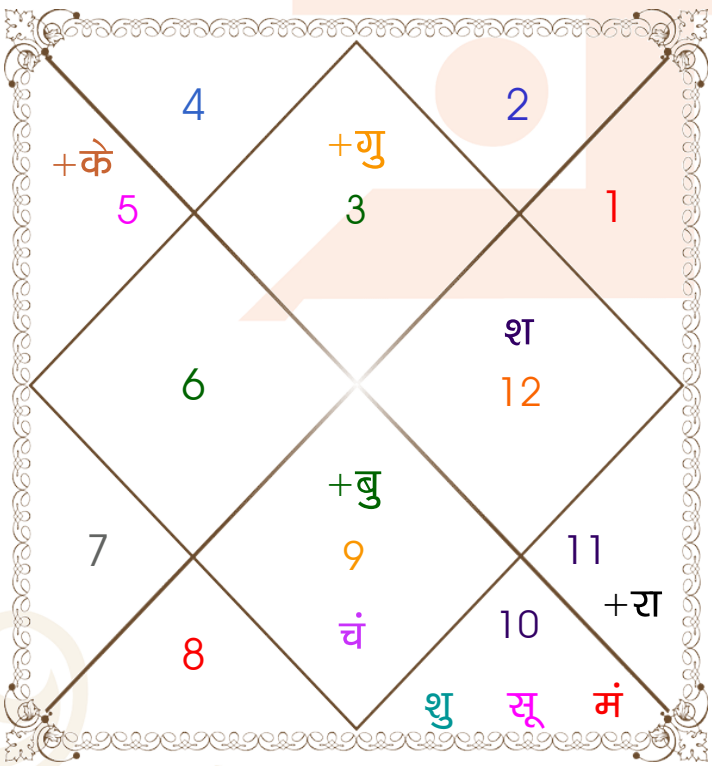


## चन्द्र कुंडली

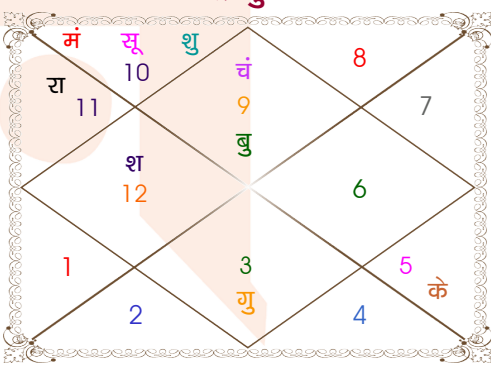


## नवमांश कुंडली

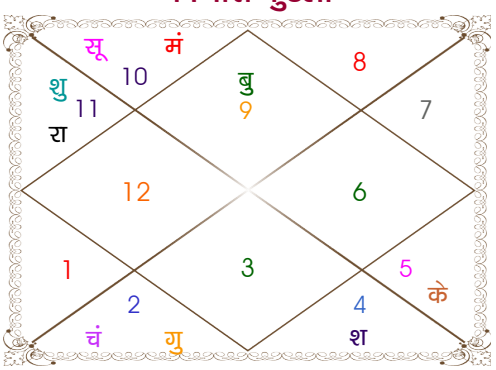

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 4 मास 9 दिन

| केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 16/01/2026 | | 27/05/2030 | | 27/05/2050 | | 27/05/2056 | | 27/05/2066 | |
| 27/05/2030 | | 27/05/2050 | | 27/05/2056 | | 27/05/2066 | | 27/05/2073 | |
| | 00/00/0000 | शुक्र | 26/09/2033 | सूर्य | 14/09/2050 | चंद्र | 27/03/2057 | मंगल | 23/10/2066 |
| | 00/00/0000 | सूर्य | 26/09/2034 | चंद्र | 15/03/2051 | मंगल | 26/10/2057 | राहु | 11/11/2067 |
| | 00/00/0000 | चंद्र | 27/05/2036 | मंगल | 21/07/2051 | राहु | 27/04/2059 | गुरु | 17/10/2068 |
| | 16/01/2026 | मंगल | 27/07/2037 | राहु | 14/06/2052 | गुरु | 26/08/2060 | शनि | 26/11/2069 |
| मंगल | 27/04/2026 | राहु | 27/07/2040 | गुरु | 02/04/2053 | शनि | 27/03/2062 | बुध | 23/11/2070 |
| राहु | 15/05/2027 | गुरु | 28/03/2043 | शनि | 15/03/2054 | बुध | 27/08/2063 | केतु | 21/04/2071 |
| गुरु | 20/04/2028 | शनि | 27/05/2046 | बुध | 20/01/2055 | केतु | 27/03/2064 | शुक्र | 20/06/2072 |
| शनि | 30/05/2029 | बुध | 27/03/2049 | केतु | 28/05/2055 | शुक्र | 26/11/2065 | सूर्य | 26/10/2072 |
| बुध | 27/05/2030 | केतु | 27/05/2050 | शुक्र | 27/05/2056 | सूर्य | 27/05/2066 | चंद्र | 27/05/2073 |

| राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 27/05/2073 | | 28/05/2091 | | 29/05/2107 | | 28/05/2126 | | 29/05/2143 | |
| 28/05/2091 | | 29/05/2107 | | 28/05/2126 | | 29/05/2143 | | 00/00/0000 | |
| राहु | 07/02/2076 | गुरु | 15/07/2093 | शनि | 31/05/2110 | बुध | 24/10/2128 | केतु | 25/10/2143 |
| गुरु | 03/07/2078 | शनि | 26/01/2096 | बुध | 07/02/2113 | केतु | 21/10/2129 | शुक्र | 24/12/2144 |
| शनि | 09/05/2081 | बुध | 03/05/2098 | केतु | 19/03/2114 | शुक्र | 21/08/2132 | सूर्य | 01/05/2145 |
| बुध | 26/11/2083 | केतु | 09/04/2099 | शुक्र | 19/05/2117 | सूर्य | 27/06/2133 | चंद्र | 30/11/2145 |
| केतु | 14/12/2084 | शुक्र | 09/12/2101 | सूर्य | 01/05/2118 | चंद्र | 27/11/2134 | मंगल | 17/01/2146 |
| शुक्र | 14/12/2087 | सूर्य | 27/09/2102 | चंद्र | 30/11/2119 | मंगल | 24/11/2135 | | 00/00/0000 |
| सूर्य | 07/11/2088 | चंद्र | 27/01/2104 | मंगल | 08/01/2121 | राहु | 12/06/2138 | | 00/00/0000 |
| चंद्र | 09/05/2090 | मंगल | 02/01/2105 | राहु | 15/11/2123 | गुरु | 17/09/2140 | | 00/00/0000 |
| मंगल | 28/05/2091 | राहु | 29/05/2107 | गुरु | 28/05/2126 | शनि | 29/05/2143 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 4 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करनी होगी। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होती है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलती रही तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगी। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगी।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहती हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाती हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकती हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेती हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेती हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहती हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करती हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाती। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही है। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेती हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करती हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करती हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहती हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देती हैं। निम्नांकित विन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।